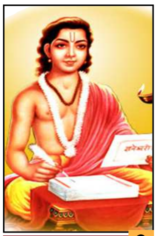

पृष्ठ संख्या 2

डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26

RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक

सम्पादकः राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्षः 03 | अंकः 3 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, मंगलवार 7 मई, 2024 | मूल्यः 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

जन आधार से सम्बंधित समस्याओं का स्थानीय स्तर पर हो शीघ्र निस्तारण- शासन सचिव आयोजना

जयपुर (संस्कार सृजन)। आयोजना विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने कहा कि आमजन की जन आधार से सम्बंधित समस्याओं का निस्तारण स्थानीय स्तर पर ही प्रभावी रूप से किया जाये। जैन आर्थिकी एवं सांख्यिकी निदेशालय में जन आधार की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य स्तर के साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर पर भी आमजन की जन आधार से सम्बंधित समस्याओं का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। जन आधार के संयुक्त निदेशक सीताराम स्वरुप ने बताया कि वर्तमान में राज्य स्तर पर जन आधार हेल्प डेस्क संचालित की जा रही है। जिसके माध्यम

से राज्य के निवासी 0141-2850287 और 0141-2923377 पर कार्यालय समय में संपर्क कर अपनी समस्याओं के समाधान प्राप्त कर रहे है। शासन सचिव, आयोजना के निर्देशानुसार इस हैल्पडेस्क का अब नेटवर्क के रूप में विस्तार करते हुए इसे प्रत्येक जिले और प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर भी स्थापित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जन आधार योजना के माध्यम से राज्य में जनकल्याण कि सभी योजनाओं का लाभ सरलता एवं सुगमता से लाभार्थियों के खाते में या उनके घर के समीप ही हस्तांतरित किया जा रहा है। वर्तमान में जन आधार पोर्टल के माध्यम से राज्य और केंद्र की 160 से अधिक योजनाओं एवं सेवाओं की प्रदायगी की जा रही है।

पंडित रविन्द्राचार्य ने चौमूं थाना अधिकारी को भेंट की रविंद्र हस्तरेखा पुस्तक

चौमूं (संस्कार सृजन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविन्द्राचार्य ने चौमूं थाना अधिकारी प्रदीप शर्मा को बाबा श्याम का दुपट्टा पहनाकर, श्याम कलम देकर व पुस्तक रविंद्र हस्तरेखा भेंट की। इस दौरान गायत्री प्रज्ञा पीठ संस्थान चौमूं सचिव राजकुमार शर्मा, सुनील शर्मा, जगदीश प्रसाद शर्मा, सुमित जांगिड़, राहुल शर्मा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

परशुराम जन्मोत्सव की शोभायात्रा के पोस्टर का किया विमोचन

जयपुर (संस्कार सृजन)। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव मानस परिवार के तत्वाधान में 10 मई 24, शुक्रवार को आयोजित विशाल भव्य शोभायात्रा के पोस्टर का विमोचन मोरिजा रोड, स्थित उपसभापति कार्यालय पर नगर परिषद उपसभापति किरण शर्मा ने किया तथा सभी विप्र बंधुओ से शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आव्हान किया । इस दौरान ब्राह्मण समाज राजस्थान जिलाध्यक्ष भुवनेश तिवाडी, सीमेंट व्यापार मंडल अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सर्व ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, जिला महासचिव बनवारी लाल शर्मा, जिला सलाहकार सत्य प्रकाश पारीक, जिला कोषाध्यक्ष अनुराग शर्मा, मुकेश लालानी, डॉ पवन कुमार तिवाडी, श्याम सुंदर शर्मा (महंत), सिद्धार्थ मिश्रा, हरिशंकर शर्मा, सूरजमल जोशी एवं एनएसयूआई पूर्व नगर अध्यक्ष महेश शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे ।

इग्नू में पुनः पंजीकरण जुलाई सत्र 2024 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

जयपुर (संस्कार सृजन)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) में जुलाई सत्र 2024 के लिए पुनः पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ममता भाटिया ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने इग्नू के विभिन्न कार्यक्रमों में जुलाई 2023 तथा जनवरी 2024 सत्र में प्रवेश लिया था एवं उनका कार्यक्रम छः माह, एक या एक से अधिक वर्ष का है तो ऐसे विद्यार्थियों को पुनः पंजीकरण करवाना होगा। जिसकी अंतिम तिथि 30 जून 2024 रखी गई है। विद्यार्थी आपना पुनः पंजीकरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ignou.ac.in पर जाकर कर सकते है। उन्होनें यह भी बताया कि छात्राऐं इग्नू के कार्यक्रमों में पुनः पंजीकरण कर राजस्थान सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना का लाभ उठा सकती है। किसी भी विद्यार्थी को इग्नू कार्यक्रमों में पुन पंजीकरण कराने में समस्या आ रही है तो वे नजदीकी इग्नू अध्ययन केन्द्रों पर जाकर भी अपना आवेदन कर सकते है। विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने के लिए क्षेत्रीय केन्द्र जयपुर ने सुविधा मुहैया करवा रखी है। विद्यार्थी अपने प्रवेश से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के लिए सोमवार से शुक्रवार समय सुबह 9:30 बजे से सांय 6:00 बजे तक क्षेत्रीय केन्द्र आ सकते है या ई-मेल आई.ड़ी. rcjaipur@ignou.ac.in पर ई-मेल कर सकते है। प्रवेश एवं कार्यक्रम से संबंधित समस्त अन्य जानकारी के लिए नीचे दिये लिंक को देखेः Link for Re-Registration: https://onlinerr.ignou.ac.in/

श्रीराम भक्त मण्डल द्वारा आयोजित हुआ संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ

जयपुर (संस्कार सृजन)। ग्राम ईटावा भोपजी में गोवर्धन टेलर सेवा निवृत्त शिक्षक के निवास स्थान पर संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया । इस अवसर पर गोविन्द टेलर, कालूराम सैनी, गिरधारी लाल जांगिड, भंवर सिंह नाथावत, सुरेन्द्रनाथ, कमलेश बोहरा, रामजीलाल शर्मा, श्रवण योगी, विशाल, लालचंद कुमावत, रतनलाल, मुंशीराम, प्रदीप, महेश, सोनू, विष्णु जांगिड, परिवार के सदस्य गण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जालसू पहुंचने पर रामफूल दास महाराज का हुआ भव्य स्वागत

जयपुर (संस्कार सृजन)। बाबा रामदेव जी महाराज के आशीर्वाद से रामफूल दास महाराज के जालसू पहुंचने पर बाबा के परम भक्त विनोद खांडल ने परिवार सहित हिन्दू रीति रिवाज से तिलक,माला,शोल ओढ़ाकर कर आशीर्वाद प्राप्त किया। महाराज श्री रामफूल दास ने उनके निवास स्थान का वास्तुदोष, देव्य समस्या का समाधान कराया। कहा कि भक्तिमय माहौल से हर प्रकार की समस्या का समाधान होता है। इसलिए हर किसी को ईश्वर में विश्वास कर भक्ति करनी चाहिए । कार्यक्रम में आचार्य कृष्णा कुमार, गौतम, अदिति ,नीरज शर्मा,शंकर डाबला आदि मौजूद रहे।

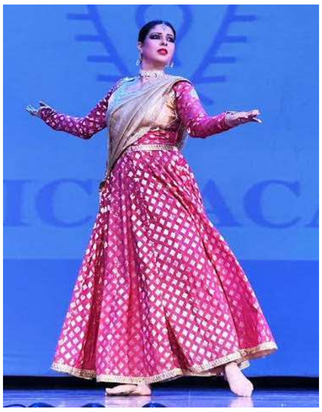

इंटरनेशनल डांस डे पर स्पिक मैके की ओर से विधा लाल ने दी कत्थक नृत्य की प्रस्तुति

जयपुर (संस्कार सृजन)। युवाओं के बीच भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए इंटरनेशनल डांस डे पर स्पिक मैके की ओर से जयपुर में दो दिवसीय कत्थक नृत्य का सर्किट आयोजित किया गया। ओरियंटेशन के साथ इंटरनेशनल डांस डे पर चलाएं तीन दिवसीय कत्थक नृत्य का सर्किट बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार और गिनीज बुक अवार्ड प्राप्त सुप्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना विदुषी विधा लाल द्वारा पूर्ण किया गया। स्पिक मैके नार्थ राजस्थान सह सचिव एवं जयपुर चैप्टर की को-ऑर्डिनेटर डॉ मृणाली कांकर ने बताया कि शास्त्रीय नृत्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए विधा लाल ने सर्किट में कत्थक की मनमोहक प्रस्तुति पहले दिन डीपीएस अजमेर रोड, दूसरे दिन एम पी एस सी स्कीम और एस के आई टी कॉलेज में प्रस्तुत की। कार्यक्रम की शुरुआत उन्होंने गणेश वंदना से की। विधा लाल ने छात्र छात्राओं को कत्थक की विभिन्न बारीकियों के बारे में समझाते हुए नृत्य प्रस्तुति दी जिसमें उनके मनमोहक नृत्य में भगवान गणेश, महिषासुरमर्दिनी और भगवान कृष्ण की ज्वलंत छवियां दिखाई। इस प्रस्तुति में उनकी तबले पर अमन अली, गायन में शोहब हसन एवं सारंगी पर आमिर खान ने संगत दी। उनके द्वारा अति भावात्मक प्रस्तुति को देखकर सभी दर्शक मुग्ध हो गए। विधा लाल ने छात्र-छात्राओं को कत्थक में लय-ताल, तत्, उठान आदि बारीकियों के बारे में बताया और साथ ही नृत्य की मनमोहक भावभंगिमाओं और मुद्राओं से भी अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न मनमोहक मुद्राओं द्वारा अमूर्त को मूर्त कर दिया। तबले की थाप, सारंगी एवं हारमोनियम के सुर लय ताल ने उपस्थित दर्शकों को अभिभूत कर दिया।

संपादकीय

नेताओं ने कभी पिछड़े वर्ग का ध्यान नहीं रखा

लोकसभा चुनावों में विपक्ष की ओर से संविधान और आरक्षण बचाने की दुहाई दी जा रही है तो सरकार का कहना है कि वह संविधान और आरक्षण की सुरक्षा के लिए चट्टान बन कर खड़ी रही है और आगे भी ऐसा ही करती रहेगी। देखा जाये तो इस बार के आम चुनाव में प्रचार में मुद्दे तो कई उठ रहे हैं लेकिन जनता के असल मुद्दे परिदृश्य से गायब होते जा रहे हैं। गरीबों की बात सभी दल कर रहे हैं। गरीब यह देख कर खुश हैं कि उन्हें बहुत याद किया जा रहा है लेकिन वह यह बात जानते हैं कि मतदान के बाद उनकी सुध लेने कोई नहीं आयेगा। सभी दल सामाजिक न्याय की बात भी कर रहे हैं लेकिन वास्तविक सामाजिक न्याय तभी होगा जब सबका आर्थिक सशक्तिकरण होगा। इसके अलावा शिक्षा को सस्ता कर सबके लिए सुलभ बनाया जायेगा। सामाजिक न्याय की मांग सबसे पहले बिहार से उठी थी। यह मांग उठायी थी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल ने। बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल के राजनीतिक सफर की बात करें तो आपको बता दें कि बिहार के मधेपुरा संसदीय क्षेत्र के भागलपुर से अलग होने के बाद, मंडल ने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी (एसएसपी) के टिकट पर 1967 का लोकसभा चुनाव जीता था। वह 1968 में थोड़े समय के लिए बिहार के मुख्यमंत्री भी बने थे। मंडल यादव समुदाय से थे और उन्हें दूसरे पिछड़ा वर्ग आयोग का अध्यक्ष भी बनाया गया था। 1978-80 के दौरान वह मंडल आयोग की रिपोर्ट के लेखक बने, जिसने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सरकारी नौकरियों में कोटा की सिफारिश की थी। मंडल आयोग की रिपोर्ट को 1990 में वीपी सिंह सरकार द्वारा लागू किया गया था। इस घटनाक्रम के बाद बिहार और उत्तर प्रदेश में कई क्षेत्रीय दलों का उदय हुआ था जोकि आज तक राजनीतिक परिदृश्य में काफी महत्व रखते हैं। मधेपुरा शहर की चर्चा तो बहुत होती है लेकिन यह क्षेत्र विकास की बाट अब तक जोह रहा है। मधेपुरा से लगभग 10 किमी दूर, जैसे ही कोई पूर्णिया-सहरसा राजमार्ग से दाहिनी ओर मुड़ता है और रेलवे लाइन पार करता है तो टिन की छत वाले कच्चे घरों की श्रृंखला आपको दिखाई पड़ेगी। यहां पर मुरहो गांव के अंत में पूर्व मुख्यमंत्री बिंदेश्वरी प्रसाद मंडल का स्मारक है। मंडल स्मारक से बमुश्किल 100 मीटर की दूरी पर मुसहर टोले के एक कोने में, एक मिट्टी की झोपड़ी है, जहां क्षेत्र के पहले संसद सदस्य किराई मुसहर के पोते रहते हैं।

केक-पेस्ट्री का शौक बिगाड़ सकता है आपकी गट हेल्थ,आर्टिफिशियल स्वीटनर है जिम्मेदार

ब्रिटेन के एंग्लिया रस्किन विश्वविद्यालय के हालिया अध्ययन में यह सामने आया है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर नियोटेम ह्यूमन गट वे में स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे गट माइक्रोबायोटा में भी परिवर्तन हो जाता है।हम केक-पेस्ट्री बेक करते हैं। एनर्जी ड्रिंक तैयार करते हैं। इन सभी में आर्टिफिशियल स्वीटनर का प्रयोग करते हैं। यहां तक कि घर में यदि कोई डायबिटीज पेशेंट है, तो फ़ूड में आर्टिफिशियल स्वीटनर का और अधिक प्रयोग करने लग जाते हैं। आर्टिफिशियल स्वीटनर हमारी आंतों का बहुत नुकसान पहुंचा जाते हैं।ब्रिटेन के एक नए अध्ययन के अनुसार, कृत्रिम स्वीटनर नियोटेम मानव गट वे में स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा देता है। इससे माइक्रोबायोटा में परिवर्तन, इरिटेबल गट सिंड्रोम जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। यह इंसुलिन रेसिस्टेंस, मोटापा और सूजन जैसी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल-संबंधी गड़बड़ियों के रूप में सामने आता है।

कृत्रिम चीनी पर शोध-ब्रिटेन के कैम्ब्रिज में एंग्लिया रस्किन विश्वविद्यालय का कृत्रिम चीनी पर एक नया अध्ययन आया है। इसके अनुसार आर्टिफिशियल स्वीटनर नियोटेम मानव गट के स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। जिससे इरिटेबल गट सिंड्रोम, माइक्रोबायोटा में परिवर्तन जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।नियोटेम एक स्वीटनर है, जिसे बेक्ड सामन, अन्य खाद्य उत्पादों और टेबलटॉप फ्लेवरिंग के एक घटक के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। नियोटेम स्वीटनर अधिक वजन और मोटापे का कारण भी बन सकते हैं। जो स्वयं कई पुरानी बीमारियों के कारक हैं।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✱ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✱ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✱ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✱ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✱ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✱ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✱ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✱ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✱ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✱ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

हार्ट हेल्दी है यह नारंगी रंग का रसीला फल, जानिए लोकाट के फायदे

नारंगी रंग का यह रसीला फल विटामिन ए, विटामिन सी, पोटेशियम, फाइबर और एंटी ऑक्सीडेंट्स का खजाना है। हर दिन इसे सलाद या नाश्ते में शामिल करना ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर दोनों को कंट्रोल करता है।जम्मू, कश्मीर और हिमाचल के पहाड़ों पर इन दिनों लोकाट की बहार आई हुई है। स्थानीय लोग इसकी मोटी गुठली और छोटे फल से भले ही निराश हों, लेकिन इसमें मौजूद पोषक तत्व इस नाराजगी को दूर करने के लिए काफी हैं। हल्के खट्टे-मीठे इस फल में प्रचुर मात्रा में विटामिन ए और पोटाशियम होता है। जो इसे गर्मी में दिनों में होने वाली समस्या हाइपरटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर का समाधान बनाती है।

लोकाट जो मूलत- चीन का पौधा माना जाता है, अब भारत सहित दुनिया के कई देशों में पाया जाने लगा है। भारत में भी यह ठंडे इलाकों में बारहों महीने फल देता है। जहां लोग व्यवसायिक और घरेलू इस्तेमाल के लिए भी इसका पौधा लगाते हैं। अगर आपने अभी तक इस फल को नहीं खाया है, तो आप पोषण की एक जरूरी खुराक नजरंदाज कर रहे हैं। नारंगी रंग का यह छोटा सा फल अपने में ढेर सारे पोषक तत्व लिए हुए है। आहार विशेषज्ञ अर्चना बत्रा कहती हैं, एक पोषण विशेषज्ञ के रूप में मैं लोकाट को समर डाइट में शामिल करने की सलाह जरूर देती हूं। खासतौर से हार्ट हेल्थ के लिए यह फल सुपर हेल्दी है। वास्तव में गर्मी के मौसम में जब आपके शरीर का तापमान स्वभाविक रूप से बढ़ जाता है, तब यह फल उसे कूल करने में मदद करता है।

आयुर्वेदिक उपायों से किया जा सकता है अस्थमा को कंट्रोल एक आयुर्वेद विशेषज्ञ से जानिए इसके बारे में सब कुछ

अस्थमा के कारण हम सही से सांस नहीं ले पाते हैं। हमें लगता है कि सांस की कमी के कारण दम घुट जाएगा। इसका परमानेंट इलाज भले ही मुश्किल हो, मगर आयुर्वेद की मदद से इसके लक्षणों पर काबू पाया जा सकता है। अस्थमा के रोगी के लिए काफी मुश्किलें आती हैं। वे यह नहीं जान पाते हैं कि अगला अस्थमा अटैक उन्हें कब आ जाएगा। इससे उनकी सांस फूलने लग जाती है। वे बुरी तरह से थक जाते हैं। एलोपैथ मेडिसिन तत्काल राहत तो दे देती है। इसके साइड इफेक्ट भी बहुत हैं। आयुर्वेद की मदद से बीमारी का प्रबंधन किया जा सकता है।आयुर्वेद एक ऐसा तरीका है, जिससे अस्थमा के रोगियों को दर्दनाक स्थिति से राहत और आराम मिलता है। जानते हैं कि आयुर्वेद किस तरह अस्थमा को मैनेज करने में मदद करता है?

कैसे होता है अस्थमा ? अस्थमा एक क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज है, जो एयर पाथवेज में सूजन और संकुचन का कारण बनती है। पाथवेज फेफड़ों में हवा को अंदर और बाहर ले जाने वाली ट्यूब हैं। इससे अस्थमा से पीड़ित व्यक्तियों के लिए सांस लेना मुश्किल हो जाता है। यह रिएक्शन पोलेन ग्रेन्स, धूल कण और पालतू पशुओं के बाल और रूसी से एलर्जी के कारण हो जाती है। यह एयर पोलूशन, सांस में संक्रमण, एक्सरसाइज और यहां तक कि तनाव के संपर्क में आने के कारण भी हो सकती है। एयर पाथवेज की सूजन के कारण अत्यधिक बलगम का उत्पादन भी हो सकता है। यह हवा के मार्ग में और अधिक संकुचन का कारण बनता है।

ट्रिगर्स की पहचान है जरूरी -इसके कारण रोगियों को घरघराहट, खांसी, सीने में जकड़न और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्या बार-बार हो सकती है। स्थिति की गंभीरता हर व्यक्ति और हर मौसम में अलग-अलग होती है। ट्रिगर्स की पहचान करके, जीवनशैली में कुछ बदलाव लाकर और लक्षणों का उचित उपचार कर अस्थमा को मैनेज किया जा सकता है।

कैसे आयुर्वेद अस्थमा को प्रबंधित करता है - आयुर्वेद एक्सपर्ट और पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत राज गुप्ता बताते हैं, 'आयुर्वेद से न केवल अस्थमा के लक्षणों का इलाज किया जा सकता है, बल्कि ट्रिगर्स को भी खत्म किया जा सकता है। इससे तीव्रता को कम कर श्वसन तंत्र को मजबूत किया जा सकता है। फेफड़ों की कार्यक्षमता में भी सुधार हो सकता है। इससे व्यक्ति के संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार होता है।' **क्या आयुर्वेद में है अस्थमा का इलाज** -डॉ. प्रशांत राज गुप्ता बताते हैं,'आयुर्वेदिक चिकित्सा में अस्थमा को 'तामक श्वास कहा जाता है। इसे दोषों के असंतुलन के कारण श्वसन तंत्र का विकार माना जाता है। आयुर्वेद चिकित्सा की एक समग्र प्रणाली है। यह मन, शरीर और आत्मा के बीच संतुलन पर जोर देती है। अस्थमा के उपचार में दोषों को संतुलित करना और शरीर में सामंजस्य स्थापित करना शामिल है। विशिष्ट दोषों में असंतुलन विशिष्ट लक्षण का कारण बनता है। इसलिए सबसे पहले दोष को पहचानना जरूरी है। जैसे कि वात दोष के कारण हुए अस्थमा में सूखी खांसी और घरघराहट होती है। /यह शुष्क और ठंडे मौसम के संपर्क में आने से शुरू हो सकती है। पित्त (अग्नि तत्व) अस्थमा में गर्मी, सूजन और छाती में जलन महसूस होती है। यह आमतौर पर संक्रमण, एलर्जी और प्रदूषण से शुरू होता है। कफ अस्थमा के कारण बलगम अधिक आता है। यह एलर्जी, कुछ खाद्य पदार्थों और नम वातावरण के संपर्क में आने से शुरू हो सकता है।' **उपचार के लिए इन चीज़ों को ध्यान में रखना है जरूरी** -डॉ. प्रशांत राज गुप्ता के अनुसार, हर्बल उपचार, आहार, जीवनशैली में बदलाव, पंचकर्म। इससे दोष संतुलित होने के साथ-साथ सूजन में कमी आती है और श्वसन प्रणाली मजबूत होती है।

हर्बल ट्रीटमेंट- हर्ब और स्पाइसेज ब्रोन्कोडायलेटर और एक्सपेक्टोरेंट गुण दिखाते हैं। ये वायुमार्ग खोलने और कंजेशन को कम करने में मदद करते हैं। सबसे प्रभावी में से कुछ में शामिल हैं- वसाका, तुलसी, मुलेठी, मिर्च, इलायची, दालचीनी, शहद, अदरक, **आहार में बदलाव-** अस्थमा के रोगियों को आम तौर पर आसानी से पचने वाले और पौष्टिक खाद्य पदार्थ लेने चाहिए। उन्हें गर्म सूप, पकी हुई सब्जियां और हर्बल टी का सेवन करना चाहिए। अस्थमा के मरीज को भारी, तैलीय और ठंडे खाद्य पदार्थों से परहेज़ करना चाहिए। फ़ूड ट्रिगर्स से बचना, भोजन को छोड़े बिना नियमित खाने के कार्यक्रम का पालन करना और ध्यान से खाना ये सभी पाचन प्रक्रिया पोषक तत्वों को शरीर में पहुंचाने में मदद करते हैं।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष – मेष राशि के जातक जीवन और आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आप आर्थिक रूप से सुरक्षित भविष्य की आशा कर सकते हैं। आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता हो सकती है। कानूनी संपत्ति विवाद आपके पक्ष में रहने की संभावना है।

वृषभ – अधिक अनुशासित जीवन शैली अपनाने और आध्यात्मिकता को शामिल करने से स्वास्थ्य और खुशी बनाए रखने में मदद मिल सकती है। आपकी सार्वजनिक छवि में कुछ पॉलिशिंग की आवश्यकता है। प्रेम संबंधों में उत्साहपूर्ण व्यवहार बनाए रखना कठिन हो सकता है। उच्च शिक्षा में अपनी अंतिम परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे ।

मिथुन – स्वस्थ जीवन जीने का अच्छा मौका है। पेशेवर मोर्चे पर सफल होने का आपके पास उचित अवसर है। घर में मनमुटाव हो सकता है। अचल संपत्ति में निवेश करना उचित नहीं है। समर्पित छात्रों को उनके प्रशिक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कर्क – बीमारी और चिंता से मुक्त होने से आपके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को लाभ होना चाहिए। आपका रोमांटिक जीवन अच्छा रहेगा । पारिवारिक जीवन में उतार-चढ़ाव आ सकता है। कानूनी रूप से स्वामित्व वाली संपत्ति के मुद्दे सही सलाह से दूर हो सकते हैं।

सिंह – आपके पास आय का दूसरा स्रोत है, तो आप कुछ चीजों पर खर्च करने में सक्षम हो सकते हैं। थोड़ी सी सावधानी से आपके स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार हो सकता है। आपकी रोमांटिक संभावनाएं धूमिल नजर आ रही हैं। उपचार प्रक्रिया शुरू करने के लिए आपको शांत वातावरण में जाना ही हो सकता है।

कन्या– आप अपना पूरा ध्यान खुद पर ही लगाएं। आपकी स्वास्थ्य स्थिति पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। जीवन में सफलता आपको लगातार सुधार करने और नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित कर सकती है। रियल एस्टेट लेनदेन मामूली लाभ कमा सकते हैं। नए करियर नए स्नातकों और युवाओं की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

तुला – तुला राशि के लोगों के कामकाजी जीवन में काफी संभावनाएं होती हैं। आपके पास वित्तीय सहायता के कई संभावित रास्ते हैं । पारिवारिक विवाद घर में तनाव का स्रोत हो सकता है । आपका स्वास्थ्य सुधार और असफलता दोनों का अनुभव कर सकता है। अपनी जरूरतों की अवहेलना करना किसी के स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। रियल एस्टेट उद्योग के सौदागरों के पास आकर्षक अनुबंध हासिल करने का अच्छा मौका है।

वृश्चिक – वित्तीय सफलता के कई रास्ते हैं जिन्हें आप अपना सकते हैं। आपकी मौजूदा दिनचर्या में बदलाव से आपकी फिटनेस को काफी फायदा हो सकता है। परिवार के साथ अच्छा समय बिताना घरेलू सद्भाव को बहाल करने का एक तरीका है। अच्छा करने के लिए छात्रों को अधिकतम प्रयास करना चाहिए।

धनु – आपको प्रबंधकीय भूमिका में पदोन्नत किया जाता है तो उच्च वेतन संभव है। सही खान-पान और नियमित रूप से व्यायाम आवश्यक है। प्रियजन की ओर से सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। घर में तनाव हो सकता है। अपने बजट पर नजर । विद्यार्थी उम्मीद से बेहतर कर सकते हैं।

मकर – आप आर्थिक जोखिम लेने में सक्षम हैं। आपके करियर में उन्नति की संभावना है। तनाव से राहत पाने के लिए यात्रा की योजना भी बना सकते हैं। संपत्ति संबंधी समस्याओं के सफल समाधान से बड़ा लाभ मिलने की संभावना है। शैक्षणिक मोर्चे पर आप अपनी बढ़त बनाए रख सकते हैं।

कुंभ– बहुत उतार-चढ़ाव रहेंगे । घर में चीजें कठिन रह सकती हैं। अपने प्रियजन की उम्मीदें बढ़ने से आप तनाव महसूस कर सकते हैं। इससे आपके स्वास्थ्य पर असर पड़ने का खतरा है। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो सकता है। आप जल्द ही एक वित्तीय स्थिति में हो सकते हैं । किसी पवित्र स्थल पर जाने से आपको शांति और शांति मिल सकती है।

मीन – रोमांटिक संभावनाएं चमक सकती हैं। किसी प्रियजन के साथ बिताया गया समय आपके मूड के लिए चमत्कार कर सकता है। करियर बदलने की चाहत रखने वालों को रोजगार की अनुकूल स्थिति मिल सकती है। आप अच्छे स्वास्थ्य में हो सकते हैं। फालतू की चीजों पर पैसा खर्च करना आर्थिक संकट में डाल सकता है। छात्रों को अधिक परिश्रम करने की आवश्यकता है।

(कविता) जिंदगी की राह

जिंदगी की राहों में चलते चलते,
पर कितने सवालों के साथ हम सफर में हैं।
हर कदम पर नई चुनौतियों का सामना,
पर आगे बढ़ते हुए हर सपने को पहचाना।
बिना हार माने, हर मुश्किल को आगे बढ़ाना,
जिंदगी की हर परेशानी को पल में भुलाना।
कभी हंसी की लहर, कभी गहरी उदासी,
पर समय के साथ हर रंग में बसी जिंदगी।
जीने का मजा है इसमें हर पल को महसूस करना,
क्योंकि जिंदगी ही है, सबसे बड़ी कविता।
जिंदगी की राहों में, चलते चलते,
सपनों की उड़ान में, बदलते बदलते।
हर मोड़ पर नयी कहानी, नयी राह है,
जिंदगी का सफर, है सपनों का इंतजार।
रात की चांदनी, दिन की किरण,
हर पल है खुशी, हर इंतज़ार में ज़िंदगी का सफर अधूरा है।

अनुराग उपाध्याय

(कहानी) सौदागर के तीन पुतले

एक बार की बात है ! महाराजा चन्द्रगुप्त का दरबार लगा हुआ था। सभी सभासद अपनी अपनी जगह पर विराजमान थे। महामन्त्री चाणक्य दरबार की कार्यवाही कर रहे थे। महाराजा चर्न्द्रुप्त को खिलौनों का बहुत शौक था। उन्हें हर रोज़ एक नया खिलौना चाहिए था। आज भी महाराजा के पूछने पर कि क्या नया है,पता चला कि एक सौदागर आया है और कुछ नये खिलौने लाया है। सौदागर का ये दावा है कि महाराज या किसी ने भी आज तक ऐसे खिलौने न कभी देखें हैं और न कभी देखेंगे। सुन कर महाराज ने सौदागर को बुलाने की आज्ञा दी। सौदागर आया और प्रणाम करने के बाद अपनी पिटारी में से तीन पुतले निकाल कर महाराज के सामने रख दिए और कहा कि अन्नदाता ये तीनों पुतले अपने आप में बहुत विशेष हैं। देखने में भले एक जैसे लगते हैं मगर वास्तव में बहुत निराले हैं। पहले पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं, दूसरे का मूल्य एक हज़ार मोहरे हैं और तीसरे पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है। सम्राट ने तीनों पुतलों को बड़े ध्यान से देखा। देखने में कोई अन्तर नहीं लगा, फिर मूल्य में इतना अन्तर क्यों? इस प्रश्न ने चन्द्रगुप्त को बहुत परेशान कर दिया। हार के उसने सभासदों को पुतले दिये और कहा कि इन में क्या अन्तर है मुझे बताओ। सभासदों ने तीनों पुतलों को घुमा फिराकर सब तरफ से देखा मगर किसी को भी इस गुत्थी को सुलझाने का जवाब नहीं मिला। चन्द्रगुप्त ने जब देखा कि सभी चुप हैं तो उसने वही प्रश्न अपने गुरू और महामन्त्री चाणक्य से पूछा। चाणक्य ने पुतलों को बहुत ध्यान से देखा और दरबान को तीन तिनके लाने की आज्ञा दी। तिनके आने पर चाणक्य ने पहले पुतले के कान में तिनका डाला। सब ने देखा कि तिनका सीधा पेट में चला गया, थोड़ी देर बाद पुतले के होंठ हिले और फिर बन्द हो गए। अब चाणक्य ने अगला तिनका दूसरे पुतले के कान में डाला। इस बार सब ने देखा कि तिनका दूसरे कान से बाहर आगया और पुतला ज्यों का त्यों रहा। ये देख कर सभी की उत्सुकता बढ़ती जा रही थी कि आगे क्या होगा। अब चाणक्य ने तिनका तीसरे पुतले के कान में डाला। सब ने देखा कि तिनका पुतले के मुँह से बाहर आ गया है और पुतले का मुँह एक दम खुल गया। पुतला बराबर हिल रहा है जैसे कुछ कहना चाहता हो। चन्द्रगुप्त के पूछ्ने पर कि ये सब क्या है और इन पुतलों का मूल्य अलग अलग क्यों है, चाणक्य ने उत्तर दिया। राजन, चरित्रवान सदा सुनी सुनाई बातों को अपने तक ही रखते हैं और उनकी पुष्टी करने के बाद ही अपना मुँह खोलते हैं। यही उनकी महानता है। पहले पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक लाख मोहरें हैं। कुछ लोग सदा अपने में ही मग्न रहते हैं। हर बात को अनसुना कर देते हैं। उन्हें अपनी वाह-वाह की कोई इच्छा नहीं होती। ऐसे लोग कभी किसी को हानि नहीं पहुँचाते। दूसरे पुतले से हमें यही ज्ञान मिलता है और यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य एक हज़ार मोहरें हैं। कुछ लोग कान के कच्चे और पेट के हलके होते हैं। कोई भी बात सुनी नहीं कि सारी दुनिया में शोर मचा दिया। इन्हें झूठ सच का कोई ज्ञान नहीं, बस मुँह खोलने से मतलब है। यही कारण है कि इस पुतले का मूल्य केवल एक मोहर है।

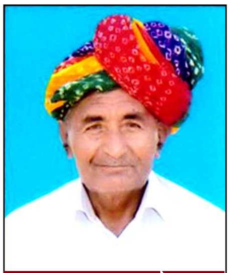

प्रभाती लाल सैनी

श्रीराम जी की कथा का रसपान करके हम जीवन में आने वाले कष्टों को कर सकते हैं दूर

श्रीसती जी आश्चर्यचकित हैं, कि शंकर भगवान ने एक राजपुत्र को 'सच्चिदानंद' कहकर प्रणाम क्यों किया? वे तो एक वनवासी हैं। जो कि अपनी पत्नी के वियोग में व्याकुल होकर वन में यहाँ-वहाँ भटक रहे हैं। पूरी दुनिया शंकर जी को पूजती है।हम हमारे छोटे से जीवन में, कैसे आने वाले कष्टों से बच पायें, कैसे उनका निवारण कर पायें, निश्चित ही इसका उपाय श्रीराम जी की कथा का रसपान करना ही है। कारण कि वैसे तो कर्मों के प्रभाव से बचना असंभव है, लेकिन अगर श्रीराम जी की कथा का अभेद्य कवच हमें मिल जाये, तो उसे काल द्वारा भेदना भी सर्वदा असंभव है।श्रीसती जी को भी अपने जीवन में यह पावन अवसर प्राप्त हुआ था, कि वे श्रीराम जी की पुनीत कथा का रसपान करती। किंतु कुबुद्धि के दुष्प्रभाव में आकर, वे इस सुअवसर से वंचित रह जाती हैं। जिसका परिणाम यह होता है, वे श्रीसती जी, जिन्होंने भगवान शंकर जी को पति रुप में वरण करने के लिए, अपने समस्त सुखों व रिश्तों की तिलांजलि दी, आज उन्हीं, भगवान शंकर जी की बात पर उन्हें शंका हो रही है। कारण कि जब श्रीसती जी ने, भगवान शंकर जी को देखा, कि वे दोनों हाथ जोड़ कर, श्रीराम जी को प्रणाम कर रहे हैं, तो श्रीसती जी के मन में अनेकों प्रश्नों ने जन्म ले लिया। वे देख रही हैं, कि शंकर भगवान ने वनवासी श्रीराम जी के दर्शन क्या किए, वे तो प्रेम भाव से बाहर ही नहीं निकल पा

रहे हैं। कारण कि शंकर भगवान श्रीराम जी को प्रणाम कर वहाँ रुके नहीं, अपितु आगे बढ़ गये। पूरे रास्ते भगवान शंकर, श्रीराम जी की दिव्य लीलाओं का ही गान कर रहे हैं-

'जय सच्चिदानंद जग पावन।
अस कहि चलेउ मनोज नसावन।।
चले जात सिव सती समेता।
पुनि पुनि पुलकत कृपानिकेता।।'

श्रीसती जी आश्चर्यचकित हैं, कि शंकर भगवान ने एक राजपुत्र को 'सच्चिदानंद' कहकर प्रणाम क्यों किया? वे तो एक वनवासी हैं। जो कि अपनी पत्नी के वियोग में व्याकुल होकर वन में यहाँ-वहाँ भटक रहे हैं। पूरी दुनिया शंकर जी को पूजती है। लेकिन वे ही किसी को पूजने लगें, और वह भी एक राजा के पुत्र को, तो यह बात मेरे गले नहीं उतरती-

'बिष्नु जो सुर हित नरतनु धारी।
सोउ सर्बग्य जथा त्रिपुरारी।।
खोजइ सो कि अग्य इव नारी।
ग्यानधाम श्रीपति असुरारी।।'

श्रीसती जी सोच में पड़ी हैं, कि अगर श्रीराम जी विष्णु जी के अवतार हैं, तो स्वाभाविक है, कि वे भी भगवान शंकर जी की भाँति ही सर्वज्ञ होंगे। उनसे भला संसार में क्या छुपा होगा? वे तो कण-कण की चाल से अवगत होंगे। फिर वे ज्ञान के भण्डार, लक्ष्मीपति और असुरों के शत्रु भगवान विष्णु, क्या ऐसे अज्ञानीयों की भाँति अपनी स्त्री को खोजेंगे? श्रीसती जी सोचती हैं, कि जो ब्रह्म काल से परे है। जिसे शरीर की परिधि में बाँधा नहीं जा सकता। जो सकल ब्रह्माण्ड़ में व्याप्त है। जो किसी से भी अभेद है। क्या वो ऐसे नर बन कर संसार की पीड़ायों को सहन करेगा? निश्चित ही ऐसा संभव नहीं है।लेकिन फिर ऐसा भी कैसे हो सकता है, कि भगवान शंकर के वचन असत्स सिद्ध हो सकें? कारण कि भगवान शंकर द्वारा 'जय सच्चिदानंद' का घोष करना, अपने आप में प्रमाण है, कि वे वनवासी कोई मानव नहीं, अपितु साक्षात भगवान हैं।

शानू गुप्ता को मिली पीएचडी की उपाधि

जयपुर (संस्कार सृजन)। शारदा यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा (उप्र) की स्टूडेंट शानू गुप्ता (जयपुर) को टेलीविजन कॉन्टेंट एंड यूजर बिहैवियर एनालिसिस विद् रेफेरेंस टू ओटीटी वीडियो स्ट्रिमिंग प्लेटफॉर्म्स इन इंडिया विषय पर पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। शानू गुप्ता ने बताया कि मैंने अपना शोध कार्य डॉ. रानू तोमर के निर्देशन में पूरा किया है। गौरतलब है कि शानू के पिता राजेंद्र गुप्ता प्रसिद्ध फिल्म निर्माता निर्देशक हैं।

मेरा पेड़-मेरा दोस्त अभियान के तहत किया मुण्डन संस्कार पर पौधारोपण

उत्तराखंड (संस्कार सृजन)। मेरा पेड़- मेरा दोस्त (मेरा वृक्ष-मेरा मित्र) अभियान के तहत टिहरी गढ़वाल के जौनपुर सकलाना पट्टी मरोड़ा गांव में तेजेन्द्र नेगी व दीपा नेगी के पुत्र अरुण नेगी के मुंडन संस्कार पर मित्र व दोस्त बनाते हुए वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी के नेतृत्व में मोरपंखी के पौधों का रोपण किया गया। मुंडन संस्कार हिंदू धर्म संस्कारो पर आधारित है। शास्त्रों के अनुसार जीवन को उच्च बनाने में संस्कारों का बहुत महत्व है। संस्कार 16 होते हैं जिनमें गर्भाधान, पुंसवन, सीमांतोयन, जातकर्म, नामकरण, निष्क्रमण, अन्नप्राशन, चूड़ाकर्म (मुण्डन), कर्णवेध, विद्यारम्भ, उपनयन, वेदारम्भ, केशान्त, समावर्तन, विवाह व अंत्येष्टि हैं। मुंडन संस्कार को चूड़ाकर्म संस्कार भी कहते हैं।

वृक्षमित्र डॉ. त्रिलोक चंद्र सोनी ने कहा कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ये संस्कार पुराने जन्मों के कर्ज से मुक्ति पाने, गर्भावस्था की अशुद्धियों को दूर करने और बच्चे को मानसिक व शारीरिक विकास के लिए इनके बाल निकाले जाते हैं। मेरा प्रयास रहता है हर संस्कारों पर इस धरती में एक एक पौधा लगाऊं, वही कार्य मैंने आज भी किया। बालक के विषम वर्ष व बालिका के सम वर्ष में चूड़ाकर्म संस्कार पर बाल निकाले जाते हैं। ज्ञानसिंह नेगी ने कहा कि हमारे गांव में गुरु जी द्वारा हर कार्य में शामिल होकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाता हैं।

पौधारोपण में अनीता देवी, उर्मिला नेगी, रोशनी पंवार, यशपाल नेगी, जितेंद्र नेगी, जुग्पसिंह सेन्द्री, पंकज सिंह, राकेश पंवार, काजल, आयुष नेगी, आर्यन नेगी, विनीता बर्थवाल, कुलदीप चौधरी, नवीन भारती, अनूप थपलियाल आदि उपस्थित रहे ।

अनमोल जीवन शॉर्ट फिल्म की शूटिंग जोरों पर

जयपुर (संस्कार सृजन)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्माणाधीन शॉर्ट फिल्म 'अनमोल जीवन' की शूटिंग जोरों पर है। चौमूं तहसील के ग्राम मोरीजा स्थित काली पहाड़ी पर सीन फिल्माने के बाद गाँव के विभिन्न लोकेशन पर दृश्य फिल्माए गए।

फिल्म के डायरेक्टर राम गोपाल सैनी ने बताया कि गाँव की विभिन्न लोकेशन पर कलाकार राजेश कुमार सेन, संदीप शर्मा,मोहन सैनी,मनीषा देवंदा पर दृश्य फिल्माए गए । फिल्म में दिखाया गया है कि यह हमारा मानव जीवन 84 लाख योनियों के चक्र के गुजरने के बाद मिलता है, इसलिए जीवन अनमोल है, आत्महत्या करना किसी समस्या का समाधान नहीं । इस शॉर्ट फिल्म को इंडिया (INDIA) यू ट्यूब चैनल पर जल्द ही रिलीज़ किया जाएगा। शॉर्ट फिल्म के मुख्य कलाकार अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य, राजेश कुमार सेन, संदीप शर्मा ,मोहन सैनी, मनीषा देवंदा और हंसा हैं ।

गौरतलब है कि हनुमान जन्मोत्सव पर रिलीज़ हुई शॉर्ट फिल्म 'हनुमान' को दर्शकों ने बहुत प्यार दिया है, जल्द ही उसके दूसरे पार्ट की शूटिंग शुरू की जाएगी ।

बस्तर जिले ने प्लास्टिक रिसाइक्लिंग कांफ्रेंस एशिया में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया

छत्तीसगढ़ (संस्कार सृजन)। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले ने प्लास्टिक रिसाइक्लिंग कांफ्रेंस एशिया में लोकल बॉडी चैंपियन श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बस्तर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रकाश कुमार सर्वे ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

गौरतलब है कि बस्तर जिला प्रशासन द्वारा रूरल एंड अर्बन लैंडस्केप फ्री ऑफ ड्राई एंड प्लास्टिक वेस्ट परियोजना को बस्तर में कार्यान्वित किया जा रहा है। इसके तहत जगदलपुर के बाबू सेमरा में मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी का निर्माण किया गया है।

जॉय एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी में आयोजित हुआ विशाल रक्तदान शिविर

जयपुर (संस्कार सृजन)। जॉय एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित जॉय स्टेनो एंड टाइपिंग इंस्टिट्यूट, थाना मोड़ चौमूं में प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 50 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। शिविर संयोजक सोसाइटी की अध्यक्ष राधा शर्मा, सचिव प्रमोद कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष अशोक सैनी, कोषाध्यक्ष बंशीधर सैनी, जयपुर हेल्थ केयर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ.आरके सैनी, बंटी सैनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़ चढ़कर रक्तदान किया । शिविर में सभी रक्तदाताओं की हौसला अफ़ज़ाई के लिए पानी का कैंपर और प्रमाण पत्र भेंट किया गया। सत्यम ब्लड बैंक जयपुर के निदेशक रामेश्वर प्रसाद सैनी ने बताया कि रक्तदान महादान है। हम सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए, क्योंकि रक्त की एक बूंद से

किसी की ज़िंदगी बचायी जा सकती है । रक्तदान करने से किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती है बल्कि शरीर में एक नई इस स्फूर्ति आती है। इस दौरान किशन लाल शर्मा, उमेश शर्मा, नरेंद्र सिंह निर्माण, शुभम शर्मा, प्रवीण सैनी, दरियाव सिंह, अमित यादव, शंकर सैनी सहित कई लोग मौजूद रहे।

लघु उद्योग भारती चौमूं इकाई द्वारा तीसवां स्थापना दिवस मनाया

चौमूं (संस्कार सृजन)। लघु उद्योग भारती चौमूं इकाई के द्वारा सामोद रोड स्थित विकास एलएनटी मशीनरी रोड पर स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में के के कोठारी वरिष्ठ महाप्रबंधक रिको लिमिटेड वी के आई, विशिष्ट अतिथि जगदीश सोमानी अध्यक्ष वी के आई, सुधीर गर्ग जयपुर आंचल अध्यक्ष, सुनीता शर्मा महासचिव जयपुर आंचल,अशोक जांगिड़ सचिव जयपुर आंचल, सुशील काबरा उपाध्यक्ष जयपुर आंचल की उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर चौमूं में उद्योगों में अपनी अलग पहचान बनाने वाले और उद्योग में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वालों

को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया । चौमूं इकाई के द्वारा पिछले डेढ़ वर्ष से चौमूं में रिको खोलने की मांग निरंतर रखी जा रही थी । इस मौके पर आए हुए अतिथियों द्वारा इस समस्या का जल्दी ही समाधान करने के लिए आश्वासन दिया गया। चौमूं में 10 किलोमीटर के एरिया में कृषि आधारित उपकरण उद्योगों के लिए रीको एरिया बनाने के लिए कहा गया । इस अवसर पर संयुक्त सचिव चौथमल कुमावत,उपाध्यक्ष पूरणमल, मदनलाल पंवार, कोषाध्यक्ष कमलेश राजोतिया, कार्यकारिणी सदस्य श्रवण कुमार भादरिया ,ललित कुमावत ,पप्पू राम यादव, कैलाशचंद जांगिड़ सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी